आर.एन.आई. संख्या : UPHIN/2015/61207
गाजियाबाद से प्रकाशित
(दिल्ली, गौतमबुद्धनगर, मेरठ से प्रसारित)
Website : wajoodkachauthastambh.page

# वजूद का चौथा स्तम्भ

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
E-mail : chauthastambhnews@gmail.com

वर्ष : 10 अंक 17 रविवार 11 मई से 17 मई 2025 पेज: 4 मूल्य : 2 रुपया

# जातिगत जनगणना करेगी पिछड़ों का विकास, देश और अधिक ताकतवर बनेगाः डॉ. के. लक्ष्मण

**संवाददाता**
**गाजियाबाद।** गुरुवार को एसएस इंटरनेशनल स्कूल अनिल विहार खोड़ा में भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद और ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के लक्ष्मण व उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने जातिगत जनगणना को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में बड़ी संख्या में खोड़ा और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी शामिल हुए। राज्यसभा सांसद एवं ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ के लक्ष्मण जी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जातिगत जनगणना का जो फैसला लिया है, उससे पिछड़े वर्ग को लाभ मिलेगा। वह पहले से अधिक शक्तिशाली और सशक्त बनेंगे। इससे देश भी अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगा । उन्होंने कहा है कि जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी हमेशा से पिछड़ों का सम्मान और हक दिलाने की आवाज उठाती है नरेंद्र मोदी ने उस सपने को साकार करने का काम किया है। वहीं कार्यक्रम में बोलते हुए ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी विपक्षी दलों से राजनीति के इस बड़े मुद्दे को छीन लिया है। प्रधानमंत्री को सबसे ज्यादा पिछड़ों की चिंता रहती है , इसीलिए नरेंद्र मोदी द्वारा जातिगत जनगणना का फैसला लिया गया है ताकि पिछड़े और ओबीसी वर्ग को चिन्हित कर उनके सुधार और भविष्य को सुधारने की कार्य योजना बनाई जा सके। खोड़ा में हुई संगोष्ठी के दौरान बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद के लक्ष्मण जी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जिस तरीके से जातिगत जनगणना के फैसले को लिया गया है। इसका बड़ा फायदा ओबीसी वर्ग को ही मिलने वाला है। उन्होंने कहा है कि पहले ओबीसी वर्ग और पिछड़ों की गिनती ठीक प्रकार से नहीं हो पाती थी, इससे देश के सामने एक मजबूत आंकड़ा तैयार होगा, जिस पर सरकार और अन्य एजेंसी काम करेंगे ताकि उनके उत्थान किया जा सके। कार्यक्रम में बोलते हुए राज्यसभा सांसद डॉ. के लक्ष्मण जी ने कहा है कि लगातार भारतीय जनता पार्टी प्रदेश और अलग-अलग राज्यों में जातिगत जनगणना को लेकर लोगों को महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने का काम करेगी ताकि विपक्षी दल अपनी रोटी ना सेक पांए। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री और ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप का कहना है कि ओबीसी वर्ग के लोगों के साथ भारतीय जनता पार्टी और संगठन और साथ रहता है। सदैव उनके लिए नई योजनाएं और कैसे इस वर्ग को लाभ पहुंचाया जा सकता है इस पर ध्यान दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो संकल्प लेते हैं उसे पूरा करते हैं। भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से जातिगत जनगणना कराई जाने का समर्थन करती रही है लेकिन विपक्ष की पार्टियां इसमें सहयोग नहीं करती थी । जिसकी वजह से यह मामला लंबे समय से अटका हुआ था, प्रधानमंत्री मोदी जी के इस फैसले का ओबीसी वर्ग का प्रत्येक नागरिक स्वागत कर रहा है। खोड़ा कॉलोनी में आयोजित ओबीसी मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष महानगर और अन्य पदाधिकारी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और भारतीय जनता पार्टी के कार्य भाग लिया। तो वहीं ओबीसी समाज की भी इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भागीदारी देखने को मिली है । कार्यक्रम का मकसद लोगो जातिगत जनगणना के फैसले के लाभ और आने वाले दिनों में इससे मिलने वाले फायदों को विस्तार से बताना रहा। कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक देवेंद्र यादव जयप्रकाश कुशवाहा हरवीर पाल सौरभ जायसवाल जीतू राय योगेश भाटी हरेंद्र नागर सचिन अंबावता प्रशांत गोस्वामी मधुकर मोनू घनश्याम तिवारी अवधेश यादव लक्ष्मण रावत दीवान सिंह लटवाल अशोक सिंह आदि सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

## अभी तो ट्रेलर दिखाया है, पूरी पिक्चर का ले मजाः डॉ. वर्मा

**संवाददाता**
**गाजियाबाद।** राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसाइटी निवासी राष्ट्रपति और अन्य कई अंतरराष्ट्रीय पुरुस्कार प्राप्त प्रख्यात कवि डॉ जगदीश चन्द्र वर्मा ने भारत के ऑपेरशन सिंदूर को लेकर एक कविता लिखी है। यह कविता उन्होंने सोसायटी के सेंट्रल पार्क स्थित ओपन जिम में सुबह कसरत करते समय वहां मौजूद निवासियों को सुनाई। जिससे माहौल में एकदम जोश भर गया। बता दें कि पहलगाम हमले में अपना सुहाग खोने वाली देश की बेटियों का बदला लेने के लिए मोदी सरकार ने आपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान में 9 आतंकी हमलों पर हवाई हमला किया जिसमें अजहर मसूद के परिवार के 14 लोग मारे गए। इसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के सीमावर्ती इलाको में गोलीबारी की। इसके जवाब में भारतीय थल सेना ने सरहद पर और वायुसेना ने पाकिस्तान में तबाही मचा कर रख दी है। देश के साहस को सलाम करते हुए राष्ट्रपति और अन्य कई अंतरराष्ट्रीय पुरुस्कार प्राप्त प्रख्यात कवि डॉ जगदीश चन्द्र वर्मा ने आपरेशन सिंदूर पर लिखी अपनी कविता निवासियों को सुनाई। कविता सुनकर राष्ट्रीय सैनिक संस्थान के मीडिया प्रभारी गौरव बंसल ने कहा कि देश की सेना के साहस पर लिखी गई कविता ने हमारी रगों में जोश भर दिया। इस समय देश के प्रत्येक नागरिक को एक साथ खड़े रहना है जिससे हमारी सरकार और सेना का साहस बढ़ता रहे। सेना के अदम्य साहस को हम सभी सलाम करते हैं। इस मौके पर ए के दोहरे, दिनेश सिंह, विनोद कुमार गुप्ता, सुभाष गर्ग, अक्षय अग्रवाल, गौरव बंसल व अजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

## दिगम्बर जैन कन्या इंटर कॉलेज में बीआईएस की स्टैंडर्ड राइटिंग प्रतियोगिता आयोजित

**संवाददाता**
**गाजियाबाद।** दिगम्बर जैन कन्या इंटर कॉलेज मवाना में गुरुवार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) गाजियाबाद शाखा के तत्वावधान में 'स्टैंडर्ड राइटिंग प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं को मानकों के प्रति जागरूक करना और व्यावहारिक लेखन कौशल को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बीआईएस के रिसोर्स पर्सन मुकुंद वल्लभ शर्मा ने छात्राओं को मानक लेखन की प्रक्रिया और उसके महत्व की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे हमारे दैनिक जीवन में मानकों का पालन उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करता है। प्रतियोगिता का संयोजन बीआईएस की मेंटोर गगन शील ने किया। प्रतियोगिता में कुल 22 छात्राओं ने भाग लिया, जिन्हें समूहों में बाँटकर स्कूल बैग के लिए मानक लेखन का कार्य सौंपा गया। छात्राओं ने आपसी विचार-विमर्श के आधार पर रचनात्मक और उपयोगी सुझाव प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल ने प्रदर्शन के आधार पर तीन टीमों को विजेता घोषित किया। साक्षी और अन्या की टीम प्रथम, तृप्ति सिंह और अक्शा आलम की टीम द्वितीय, तथा नव्या और गायत्री की टीम तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि अन्य सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र और मैडल दिए गए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रधानाचार्या श्रीमती दीप्ति राघव ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना की और कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ न केवल ज्ञानवर्धक होती हैं, बल्कि छात्रों को आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति की शक्ति भी प्रदान करती हैं। कार्यक्रम का संचालन मेंटोर गगन शील ने किया और पूजा जैन ने आयोजन की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## आखिर पाकिस्तान ने यह दुनिया को जता ही दिया कि वह आतंकवाद को पालते हैं

**संवाददाता**
**गाजियाबाद।** आखिर पाकिस्तान ने दुनिया को यह जता ही दिया,वह आतंकवाद को पालते हैं,जिस तरह पहलगाम में निर्दोष पर्यटको की धर्म पूछ कर मारा गया,जिसका बदला भारतीय जवानों ने आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट करके,मालियामेट कर दिया,पर किसी भी नागरिक को,या पाकिस्तान की सैन्य शक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया,और देखा गया,आतंकियों को पाकिस्तानी झंडे में लपेटकर श्रद्धांजलि दी गई,जिससे साफ पता चलता है,पाकिस्तान आतंकवाद का दुश्मन नहीं,दोस्त है,और पाकिस्तान ने बौखलाहट में आकर भारत के सैनिको और नागरिकों पर अटैक करा,और खुद उसने अपने पैरों में कुल्हाड़ी मारी,भारतीय सेना ने उनके मंसूबो पर पानी फेर कर,जवाबी कार्यवाही करके पाकिस्तान में हाहाकार मचा दिया,पाकिस्तानियों द्वारा भारत की सैन्य शक्तियों और नागरिकों पर कायरता पूर्ण हमला करके,विश्व में अलग थलक पड़ गया,और पूरे विश्व को दिखा दिया,कि वह आतंकवाद का जन्मदाता है,पर भारत के वीर जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर उनके हर मिशन को फेल करके तबाही फैला दी,हमें फक्र है,अपने देश के जवानों पर, सैनिकों पर,परिमाण स्वरूप पाकिस्तान को उसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा,क्योंकि हिंद की सेना का जोश हांई है,उसको कोई झुका नहीं सकता,भारत देश के नागरिकों से अपील है,की अफवाहों पर ध्यान ना दें,और संयम बरते,सरकार द्वारा दी गई गाइडलाइन पर अमल करें, जय-हिंद वंदे-मातरम,भारत माता की जय,तिरंगा रहेगा हमेशा ऊंचा हमारा।

## श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा द्वारा एडवोकेट अंजू तोमर का सम्मान

**संवाददाता**
**गाजियाबाद।** श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा द्वारा आयोजित एक गरिमामयी समारोह में एडवोकेट अंजू तोमर को उनके सामाजिक योगदान एवं विधि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण और न्यायिक जागरूकता के क्षेत्र में अंजू तोमर के योगदान की सराहना की गई।

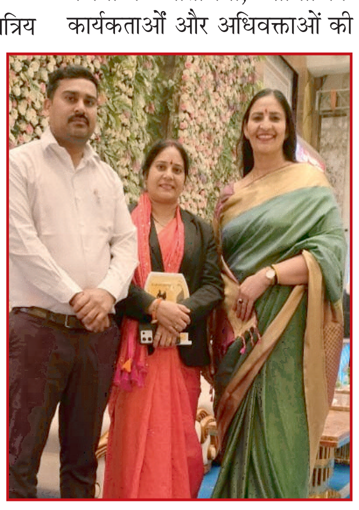

इस अवसर पर महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कहा कि अंजू तोमर जैसे कर्मठ एवं जागरूक अधिवक्ता समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। सम्मान स्वरूप उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। समारोह में कई गणमान्य अतिथियों, सामाजिक कार्यकताओं और अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही, जिन्होंने अंजू तोमर को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंजू तोमर के साथ उनके भाई गौरव तोमर कभी सम्मान किया गया

## रालोद खेल प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष बने संजीव अरोड़ा

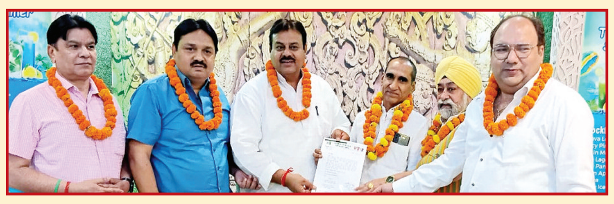

**संवाददाता**
**गाजियाबाद।** अंबेडकर रोड स्थित राष्ट्रीय महासचिव खेल प्रकोष्ठ विजय कौशिक के कार्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष खेल प्रकोष्ठ एवं पूर्व मंत्री चौधरी नीरपाल सिंह द्वारा खेल प्रकोष्ठ के गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष पद के लिए संजीव अरोड़ा की नियुक्ति की गई चौधरी निरपाल सिंह ने बताया संजीव अरोड़ा समाजसेवी और व्यापारी हैं और विभिन्न खेलों से उनका संबंध रहा है जिसमें उन्होंने समय-समय पर भाग लिया है खेलों के लिए संजीव अरोड़ा हमेशा आगे बढ़कर किसी न किसी रूप में योगदान करते हैं राष्ट्रीय महासचिव विजय कौशिक ने भी संजीव अरोड़ा को महानगर अध्यक्ष बनने पर बधाई दी । इस अवसर पर अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह टीटू प्रदेश महासचिव रविंदर चौहान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष खेल प्रकोष्ठ जगराज बालियान जिला सचिव दिनेश शर्मा आदि उपस्थित रहे यह नियुक्ति खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक तोमर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्र मंत्री जयंत चौधरी जी के निर्देश पर व खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी निरपाल सिंह की सहमति से की गई जिससे रालोद में हर्ष का माहौल है।

## संक्षिप्त डायरी

### 31 जुलाई से पहले गीला और सूखा कूड़ा अलग अलग करने की व्यवस्था करें सोसायटियांः कर्नल टीपी त्यागी

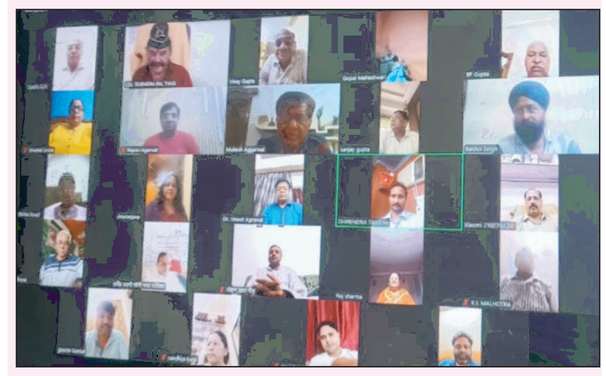

**संवाददाता**
**गाजियाबाद।** आर डब्लू ए फेडरेशन के कार्यवाहक चेयरमेन कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी द्वारा गठित फेडरेशन की प्रशासनिक समिति की एक जूम बैठक 8 मई को देर शाम आयोजित की गई। बैठक मे निर्णय लिया गया की 31 जुलाई से पहले शहरवासियों को गीला और सूखा कूड़ा अलग अलग करने का आग्रह किया जाएगा। ऐसा न करने पर नगर निगम आपका कूड़ा उठाने से मना कर सकता है ,चलान कर सकता है और जुमार्ना भी लगा सकता है। कर्नल त्यागी ने कहा कि नगर निगम से अनुरोध किया जाएगा की वो प्रत्येक बहुमंजली इमारत के लिए दो बड़े डस्टबिन उपलब्ध कराए जिसमें लोग गीला और सुखा कूड़ा डाल सकें। इसमें गीले कूड़े की कम्पोस्टिंग स्थानीय स्तर पर की जा सकती है अथवा उसे निगम की कूड़ा कलेक्शन गाड़ी के गीला कूड़ा कंपार्टमेंट में डाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में नगर निगम के साथ एक बैठक भी की जाएगी। बैठक में धर्मेंद्र खंडेलवाल, मुकेश अग्रवाल, डॉ ऋचा सूद, राजीव अग्रवाल, डॉ आरके आर्या, विनय गुप्ता, डॉ विनीत अग्रवाल, अंजू शर्मा, दीपक जोशी, धर्मेंद्र त्यागी, संजय गुप्ता, राज शर्मा, बलदेव सिंह, गोपाल माहेश्वरी, अनुज त्यागी, मनीष त्रिपाठी, आकाश त्यागी, अनुरंजन त्यागी, बीपी गुप्ता, केएल मल्होत्रा, शीतल अरोरा, गौरव बन्सल, धर्मेंद्र सिसौदिया, रमा त्यागी, संध्या त्यागी, मोहनलाल गौड़ आदि मौजूद रहे।

### कम्प्यूटर लैब एवं वाटर कूलर किया गया भेंट

**संवाददाता**
**गाजियाबाद।** रोटरी क्लब गाज़ियाबाद विकास द्वारा गाज़ियाबाद राउंड टेबल 308 एवं युथ क्लब लोहा मंडी के संयुक्त तत्वावधान में जैनमति उजागरमल जैन इंटर कॉलेज, कविनगर, गाज़ियाबाद में एक कम्प्यूटर लैब एवं वाटर कूलर भेंट किया गया। रांउड टेबल द्वारा विद्यालय में स्थापित इस कम्प्यूटर लैब में कुल 12 कम्प्यूटर लगाए गए हैं, जिससे छात्र-छात्राओं को डिजिटल शिक्षा का लाभ मिलेगा।क्लब सदस्य अनिल गर्ग व राम अवतार जिन्दल द्वारा भेंट किये गये वाटर कूलर से बच्चों को पीने का शीतल जल प्राप्त होगा । इस पुनीत कार्य के लिए विद्यालय प्रबंधक श्री राकेश जैन द्वारा राम अवतार जिन्दल,अनिल गर्ग, विजय जिंदल, विनीत माहेश्वरी, संजय अग्रवाल, अभिषेक गुप्ता, शगुन अग्रवाल एवं पंकज गुप्ता का विशेष रूप से सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य सीमा सिसोदिया ने सभी सामाजिक संस्थाओं के प्रति आभार प्रकट किया।

### मदर्स डेः मेरी माँ हर पल मेरा साया बनकर मेरे साथ मौजूद रहती हैः गौरव बंसल

**संवाददाता**
**गाजियाबाद।** राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी निवासी एवं राष्ट्रीय सैनिक संस्थान के मीडिया प्रभारी गौरव बंसल ने कहा कि मैंने भगवान को नहीं देखा लेकिन भगवान के रूप में अपनी मां को जरूर देखा है। यह मेरा सौभाग्य है जो मैंने अपनी माँ श्रीमति पूनम बंसल की कोख से जन्म लिया है। तमाम कष्टों को सहने के बाद भी मेरी माँ हर पल मेरा साया बनकर मेरे साथ मौजूद रहती है। मैं अपनी मां से बेहद प्यार करता हूँ और ईश्वर से उनकी दीघार्यु व उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूँ।

### ऑपरेशन सिंदूर पर बोले राहुल प्रधानः भारत अब चुप बैठने वाला नहीं

**गाजियाबाद।** भारतीय सेना के पाकिस्तान पर ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल को लेकर सियासी हलकों से लेकर आम जनता के बीच जबरदस्त चर्चा हो रही है. पूर्व भाजपा( किसान मोर्चा )फायर ब्रांड नेता राहुल प्रधान ने इस ऑपरेशन को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं. श्री प्रधान ने कहा कि चाहें सर्जिकल स्ट्राइक हो, एयर स्ट्राइक या अब ऑपरेशन सिंदूर, पीएम मोदी की नीति हमेशा स्पष्ट और दृढ़ रही है. उन्होंने पहले ही कहा था कि पाकिस्तान को उसके कृत्यों की कीमत चुकानी होगी और आज वह हकीकत में बदल गया. राहुल प्रधान ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है. आज पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद को मिट्टी में मिला देंगे और देर रात सचमुच आतंकवाद को मिट्टी में मिला दिया गया. यह भारत की निर्णायक कार्रवाई का प्रतीक है।

# मां धरती पर विधाता की प्रतिनिधि यानी देवतुल्य है

ललित गर्ग

मदर्स डे, उन उल्लेखनीय महिलाओं का सम्मान करने का एक हार्दिक उत्सव है जो हमारे जीवन को प्यार, ज्ञान और असीम शक्ति से भर देती हैं। माँ का प्यार किसी भी ताजे फूल से अधिक सुंदर है। एक माँ की खुशी एक प्रकाश स्तंभ की तरह होती है, एक प्रकाशगृह यानी लाइट हाउस, जो भविष्य को रोशन करती है लेकिन प्यारी यादों के रूप में अतीत पर भी प्रतिबिंबित होती है।

'मदर्स डे' या मातृ दिवस एक ऐसा महत्वपूर्ण एवं संवेदनात्मक दिन है जो हमें अपनी माताओं के प्यार और बलिदान के लिए धन्यवाद देने और उन्हें सम्मान देने का अवसर देता है। जननी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का तथा मातृशक्ति की अभिवंदना का यह एक स्वर्णिम अवसर है। माँ की महिमा को उजागर करने का ऐतिहासिक दिन है। सेवा और समर्पण की साक्षात प्रतिमूर्ति मातृ-शक्ति ने केवल अपनी संतान को ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को सृजनात्मक एवं रचनात्मक दिशाएँ दी हैं। अपने त्याग और बलिदान से परिवार, समाज और राष्ट्र की अस्मिता को बचाने का हर संभव प्रयत्न किया है। यहाँ तक कि परिवार संस्था की आधारभित्ति भी मातृ-शक्ति के इर्द-गिर्द ही टिकी हुई है। माँ एक चलता-फिरता चमत्कार है। माँ के प्रभाव से अधिक शक्तिशाली कोई प्रभाव नहीं है। मातृ दिवस मनाने की अनेक विचारधाराएं एवं मान्यताएं हैं। विश्व के विभिन्न भागों में यह अलग-अलग दिन मनाया जाता है। मदर्ड डे का इतिहास करीब 400 वर्ष पुराना है। प्राचीन ग्रीक और रोमन इतिहास में मदर्स डे मनाने का उल्लेख है। 16वीं सदी में इंग्लैण्ड का ईसाई समुदाय ईशु की माँ मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए यह त्योहार मनाने लगा। इस दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने 8 मई, 1914 को लिया। कुछ लोगों का मानना है कि मदर्स डे कि शुरूआत एक अमेरिकन एक्टिविस्ट एना जार्विस से होती है। एना जार्विस को अपनी माँ से खास लगाव था। माँ के गुजर जाने के बाद एना ने माँ से प्यार जताने के लिए मदर्स डे की शुरूआत की। तब से हर साल मई माह के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। माँ का प्रेम अपनी संतान के लिए इतना गहरा और अटूट होता है कि माँ अपने बच्चे की खुशी के लिए सारी दुनिया से लड़ लेती है। एक मां का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व है, एक मां के बिना ये दुनियां अधूरी है। मदर्स डे सामान्य रूप से माताओं, मातृत्व और मातृ संबंधों को मान्यता देता है, साथ ही उनके परिवारों और समाज में उनके सकारात्मक योगदान को भी दशार्ता है।

मदर्स डे, उन उल्लेखनीय महिलाओं का सम्मान करने का एक हार्दिक उत्सव है जो हमारे जीवन को प्यार, ज्ञान और असीम शक्ति से भर देती हैं। माँ का प्यार किसी भी ताजे फूल से अधिक सुंदर है। एक माँ की खुशी एक प्रकाश स्तंभ की तरह होती है, एक प्रकाशगृह यानी लाइट हाउस, जो भविष्य को रोशन करती है लेकिन प्यारी यादों के रूप में अतीत पर भी प्रतिबिंबित होती है। एक माँ शक्ति और गरिमा से सुसज्जित होती है, भविष्य के बारे में बिना किसी डर के हँसती है। प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा है कि जब मैं पैदा हुआ, इस दुनिया में आया, वो मेरे जीवन का एकमात्र ऐसा दिन था जब मैं रो रहा था और मेरी मां के चेहरे पर एक सन्तोषजनक मुस्कान थी।' एक माँ हमारी भावनाओं के साथ कितनी खूबी से जुड़ी होती है, ये समझाने के लिए उपरोक्त पंक्तियां अपने आप में सम्पूर्ण हैं। मां का त्याग, बलिदान, ममत्व एवं समर्पण अपनी संतान के लिये इतना विराट है कि पूरी जिंदगी भी समर्पित कर दी जाए तो मां के ऋण से उऋण नहीं हुआ जा सकता है। मां के साथ बिताये दिन सभी के मन में आजीवन सुखद व मधुर स्मृति के रूप में सुरक्षित रहते हैं। इसीलिये एच. डब्ल्यू. बीचर ने कहा कि मां का हृदय बच्चे की पाठशाला है।'

भारतीय संस्कृति में मां का स्थान सर्वोपरि माना गया है। मां को देवतुल्य माना गया है। इसीलिये 'मातृ देवो भवः' यह सूक्त भारतीय संस्कृति का परिचय-पत्र है। ऋषि-महर्षियों की तपः पूत साधना से अभिसिंचित इस धरती के जर्रे-जर्रे में गुरु, अतिथि आदि की तरह माँ भी देवरूप में प्रतिष्ठित रही है। महर्षि वाल्मीकी की यह पंक्ति- 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' जन-जन के मुख से उच्चारित है। प्रारंभ से ही यहाँ 'मातृशक्ति' की पूजा होती आई है। वैदिक परंपरा दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी के रूप में, बौद्ध अनुयायी चिरंतन शक्ति प्रज्ञा के रूप में और जैन धर्म में श्रुतदेवी और शासनदेवी के रूप में माँ की आराधना होती है। लोक मान्यता के अनुसार मातृ वंदना से व्यक्ति को आयु, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुण्य, बल, लक्ष्मी पशुधन, सुख, धन-धान्य आदि प्राप्त होता है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया। एक माँ हमारे जीवन की हर छोटी बड़ी जरूरतों का ध्यान रखने वाली और उन्हें पूरा करने वाली देवदूत होती है। कहने को वह इंसान होती है, लेकिन भगवान से कम नहीं होती। वह ही मन्दिर है, वह ही पूजा है और वह ही तीर्थ है। तभी ई. लेगोव ने कहा है कि इस धरती पर मां ही ऐसी देवी है जिसका कोई नास्तिक नहीं। यही कारण है कि समूची दुनिया में मां से बढ़कर कोई इंसानी रिश्ता नहीं है। वह सम्पूर्ण गुणों से युक्त है, गंभीरता में समुद्र और धैर्य में हिमालय के समान है। उसका आशीर्वाद वरदान है। जरा कभी मां के पास बैठो, उसकी सुनो, उसको देखो, उसकी बात मानो। उसका आशीर्वाद लेकर, उसके दर्शन करके निकलो। फिर देखो, जो चाहोगे मिलेगा- सुख, शांति, शोहरत और कामयाबी। ध्यान रहे, मां का दिल दुखाने का मतलब ईश्वर का अपमान है। संसार महान् व्यक्तियों के बिना रह सकता है, लेकिन मां के बिना रहना एक अभिशाप की तरह है। इसलिये संसार मां का महिमामंडन करता है, उसके गुणगान करता है। मां शब्द में संपूर्ण सृष्टि का बोध होता है। मां के शब्द में वह आत्मीयता एवं मिठास छिपी हुई होती है, जो अन्य किन्हीं शब्दों में नहीं होती। मां नाम है संवेदना, भावना और अहसास का। मां के आगे सभी रिश्ते बौने पड़ जाते हैं। समाज में मां के ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है, जिन्होंने अकेले ही अपने बच्चों की जिम्मेदारी निभाई। मां रूपी सूरज चरेवैति-चरेवैति का आह्वान है। उसी से तेजस्विता एवं व्यक्तित्व की आभा निखरती है। उसका ताप मन की उम्मीदों को कभी जंग नहीं लगने देता। उसका हर संकल्प मुकाम का अन्तिम चरण होता है। मां को धरती पर विधाता की प्रतिनिधि कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

किंतु वर्तमान परिवेश को देखते हुए यह सवाल अवश्य खड़ा होता है कि क्या आज की माँ जननी की भूमिका का सम्यक निर्वहन कर रही है? अथवा क्या वे समाजशास्त्रियों के इस अभिमत पर प्रश्नचिन्ह नहीं लगा रही कि बच्चा नागरिकता का पहला पाठ माँ की वात्सल्यमयी गोद में सीखता है। जबकि वस्तुस्थिति तो यह है कि माँ की गोद उसे नसीब होती कहाँ है? कुक्षि से बाहर आते ही उसे अलग पालने में सुला दिया जाता है। सोता है तो दूध की बोतल उसके मुँह से लगा दी जाती है। उसका लालप-पालन या देखरेख नर्स या आया के द्वारा होती है अथवा डे केयर सेंटर, बेबी केयर सेंटर में भेजकर कर्तव्यपूर्णता का लेबल लगा दिया जाता है। दो-ढाई वर्ष का होते ही नर्सरी में कम्प्यूटर द्वारा उसे अक्षर-बोध प्राप्त होता है। कुछ बड़ा होते ही उसे होस्टल में प्रविष्टि दिला दी जाती है। कितनी आधुनिक माताएँ तो ऐसी हैं जिन्हें अपने बच्चों से संवाद स्थापित करने का क्षण भी उपलब्ध नहीं होता। करें भी कैसे? उन्हें अपने निजी कार्यक्रमों से ही फुर्सत नहीं है। तब भला वह कैसे उन्हें बात-बात में तत्त्वबोध दें? कब मीठी-मीठी प्रेरक लोरियाँ सुनाकर संस्कारों की सौगात सौंपे? किस माध्यम से पारिवारिक, सामाजिक मान-मयार्दाओं की अवगति दें? कैसे जीवन में धर्म की उपयोगिता का अहसास करवाएँ? तब फिर शून्यता के सिवा शेष हाथ भी क्या आएगा? मातृ दिवस मां की अस्मिता के धुंधलाने के कारणों की पडताल करने का भी अवसर है। कन्याभ्रूणों की हत्या एक ओर मनुष्य को नृशंस करार दे रही है, तो दूसरी ओर स्त्रियों की संख्या में भारी कमी मानविकी पर्यावरण में भारी असंतुलन उत्पन्न कर रही है।' अन्तर्राष्ट्रीय मातृ-दिवस को मनाते हुए मातृ-महिमा पर छा रहे ऐसे अनेक धुंधलों को मिटाना जरूरी है, तभी इस दिवस की सार्थकता है।

## संपादकीय

### जंग की भाषा

भारत द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई से झुंझलाए पाक ने ड्रोन, मिसाइलों और लड़ाकू विमानों से पलटवार किया। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान के नागरिक इलाकों समेत सैन्य ठिकानों पर हमले करने के दुश्मन के प्रयासों का भारतीय सेना ने मुंहतोड़.जवाब दिया। उनकी सभी मिसाइलें और ड्रोन मार गिराए। चीन निर्मित एफ17 और अमेरिका निर्मित एफ16 जैसे विमानों को भी मार गिराया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, लाहौर में एयर ड्रिफेंस सिस्टम को नष्ट करने की भी जानकारी है। इन ड्रोनों का मलबा विभिन्न स्थानों से बरामद किया जा रहा है। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर शुरू करते हुए भारत ने स्पष्ट किया था कि वह पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना तभी बनाएगा जब वह जवाबी कार्रवाई के लिए उकसाएगा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ, कुपवाड़ा, बारामूला, उरी और राजौरी में मोर्टार तथा भारी तोपों का प्रयोग किया गया। इनमें ड्रोन से पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, बठिंड़ा, भुज आदि स्थानों पर हमला करने की कोशिशें भी शामिल हैं। हालांकि उसने इससे साफ इंकार करते हुए कहा कि पाकिस्तान हमला करेगा तो सब को पता चलेगा परंतु उसका आरोप है कि लाहौर, गुजरांवाला, रावलपिंड़ी, मियांवाली और कराची में घुसपैठ के प्रयास करने वाले ड्रोन्स को उन्होंने तबाह किया है। भारत का दावा है कि स्थिति बिगाड़ने का काम पाकिस्तान ने किया है, इसलिए तनाव को कम करने की जिम्मेदारी भी उसी की है। इस दरम्यान अमेरिका ने कहा है कि दोनों देशों को एक-दूसरे पर हमले बंद करने चाहिए। उसने तनाव कम करने के प्रयासों में शामिल होने की बात भी कही है पर युद्ध में शामिल होने से स्पष्ट इंकार किया है। बहरहाल, पाकिस्तान आंतरिक कलह से भी कम नहीं जूझ रहा है। जंग और हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। जंग की भाषा सिर्फ मारकाट, मौतें और विध्वंस ही होती है। इससे देशों की अर्थव्यवस्था तो ढुलमुलाती ही है, आम नागरिकों की बिला-वजह मौत भी हो जाती है। गोलाबारी के चलते सीमावर्ती इलाकों के रहवासियों को अपना सब कुछ छोड़-छाड़. कर आनन-फानन भागना पड़ा, सो अलग। बेहतर हो कि दोनों मुल्क कूटनीतिक तौर पर सहमति बनाते हुए आतंकवाद से लड़ने की रणनीति बनाएं जिससे समूची दुनिया वास्तव में लड़ने को राजी है। आतंकवादियों को दिया गया प्रश्रय कभी सार्थक नहीं हो सकता।

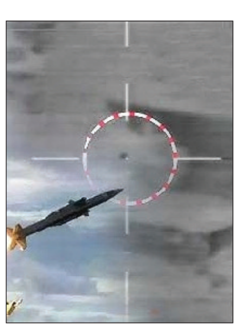

## चिंतन-मनन

### वर्तमान में जिएं

मुनि ने सेठ की पुत्रवधू से पूछा, श्वसुरजी कहां हैं? उसने कहा, जूते की दुकान पर गए हैं। श्वसुर उस समय आराधना-कक्ष में आराधना कर रहा था। उसने सुना, वह तत्काल आया और बोला, महाराज! मेरी पुत्रवधू ने असत्य कहा है। मैं आराधना कर रहा था। इसने जानते हुए भी असत्य कहा है।

मुनि ने सेठ से कुछेक प्रश्न पूछे। पूछते-पूछते एक प्रश्न के उत्तर में सेठ ने कहा, धर्म की आराधना तो चल रही थी, किन्तु एक बात मन में चक्कर लगा रही थी कि आराधना पूरी होते ही मैं दुकान पर जाकर जूते खरीदूंगा। जूते फट गए हैं, अच्छा नहीं लगता। कब आराधना पूरी हो और कब मैं जूते वाले के यहां जाऊं। इसी विचार से आराधना पूरी कर अब बाहर आया हूं।

मुनि बोले, सेठजी! तुम्हारी पुत्रवधू ने सत्य ही तो कहा था। तुम्हारा शरीर आराधना-कक्ष में था, पर चित्त जूते की दुकान के चक्कर लगा रहा था। बिना चित्त के आराधना कैसी? प्रत्येक आदमी की आज यही दशा है। उसका चित्त किसी और दिशा में जा रहा है और शरीर किसी भिन्न दिशा में है। हमारा शरीर स्नायविक क्रिया के आधार पर काम करता है। कोई व्यक्ति जब पहले दिन सीढियों पर चढ़ता है, तब सावधानी से पैर रखता है। दस-बीस बार उन सीढियों पर चढ़ चुकने के बाद पैर अभ्यस्त हो जाते हैं। इसी प्रकार हमारे शारीरिक स्नायुओं को अभ्यास हो जाता है, फिर काम के साथ चित्त को जोड़ना नहीं पड़ता। काम यंत्रवत पूरा हो जाता है। हमें पता ही नहीं चलता। एक सफल सूत्र है-वर्तमान में जीना।

# (ऑपरेशन सिंदूर) राष्ट्र का पराक्रम उन्नत करने का जतन....!

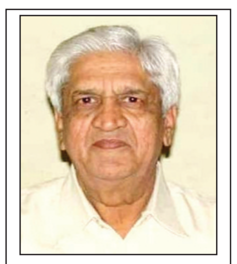

ओमप्रकाश मेहता

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय सेना ने एक बार फिर अपने सटीक और संयमित प्रहार से यह सिद्ध किया कि शौर्य केवल रणभूमि की चीख नही अपितु विवेक और चैतन्य मूल्यबोध की गर्जना भी हो सकता है, यह ऑपरेशन किसी जाति, धर्म या भू-भाग के विरूद्ध नही था, यह उस भ्रष्टाचार के विरूद्ध था जो जेहाद के नाम पर मासूमियत का गला घोंटता है। भारतीय सेना की दूरदर्शिता, संवेदन शीलता तथा साहस स्तुत्य है, यह केवल बंदूक की जीत नही यह उस मयार्दा की जीत थी जो युद्ध के क्षण में भी मानव सीमाओं का उल्लंघन नही करता। भारत का गौरव बढ़ाने वाले इस परिदृष्य के लिए भारतीय सेना की जितनी भी तरीफ की जाए, वह कम है। इस ऐतिहासिक कार्यवाही की नींव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी की दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता स्पष्ट झलकती है, उनके दृढ़निश्चय और दृष्टिकोण ने सेना को मनोबल और राजनीतिक सम्बल प्रदान किया, जिसके चलते इस प्रकार का राजनीतिक कदम संभव हो सका। यह सिद्ध करता है कि जब निर्णय लेने वाला निष्ठावान हो तो राष्ट्र स्वयं को सुरक्षित महसूस करता है। भारत ने यह सिद्ध किया है कि उसे पाकिस्तान की जनता से कोई नाराजी या विरोध नही है बल्कि विकृत राजनीति और चरमपंथी सोच से है, जिसने इस भू-भाग को अपने ही रक्त से सींच दिया है। यह भी सिद्ध हो गया है कि जब तक पाकिस्तान की सरकारें सेना या धार्मिक कठपुतलियों के लिए खिलौना बनी रहेगी, जब तक वहां स्थायित्व व शांति की कोई संभावना नही नजर नही आती इस घटना के संदर्भ में सारी दुनिया ने यह महसूस किया है कि भारत एक जिम्मेदार और स्वाभिमानी राष्ट्र है, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का यह कथन कि' हमने उन्हीं को मारा जिन्होंने हमें मारा' यह केवल सरकार की एक प्रतिक्रिया नही बल्कि भारत के बदलते रणनीतिक दृष्टिकोण की प्रतिध्वनि है, ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण के माध्यम से भारत ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि अब देश न सिर्फ आतंकवाद या मुकाबला करेगा, बल्कि उसे जड़ से उखाड़ने के लिए सीमा पार तक जाकर ठोंस कार्यवाही करेगा।

वैसे यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह ह्यएयर स्ट्राइकह्ण भारत में आए निर्णायक अंतर को भी दशार्ती है, जहां पहले की सरकारें रणनीतिक धैर्य की नीति पर चलती थी, वहीं अब की नीति 'स्टेज्टेजिक रिस्पांस' की है और वह भी बिना बेगुनाहों को नुकसान पहुंचाए। 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल एक सैन्य कार्यवाही नही है, यह एक कूटनीतिक संदेश भी है भारत न सिर्फ अब युद्ध झेलेगा बल्कि जवाब भी देगा और वह भी अन्तर्राष्ट्रीय मानदंडों का पालन करते हुए।

भारत की अब तक की यह मूल धारणा रही है कि पूरा विश्व बिना किसी भेद-भाव के शांति से जिये, और पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के मूल सिद्धांत 'जीयों और जीने दो' का ईमानदारी से पालन करें, किंतु किया क्या जाए, भारत के पड़ौसी चीन व पाकिस्तान जैसे देश अब तक इस संदेश के मर्म को समझ नीह पाए और अपनी आक्रामक विध्वंसकारी कब्जा करों की नीति पर चल रहे है, भारत आखिर अब इन्हें समझाए तो कैसें?

कुल मिलाकर हमारा देश पिछले कई दशकों से पूरे विश्व को बुद्ध, महावीर और गांधी जी का 'शांति' का संदेश देता आया है, अब यह देशों की बुद्धिमत्ता पर निर्भर है कि वे इसे किस अंश तक स्वीकार कर इसका अनुसरण करते हैं?

# क्रिकेटः रोहित की जगह कप्तान कौन

ललित गर्ग

महेंद्र सिंह धोनी के बाद देश के दूसरे सफलतम कप्तान रोहित शर्मा ने एकाएक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया है। चयनकर्ता रोहित शर्मा से बातचीत करने के दौरान बता चुके थे कि वह किसी युवा को कप्तान बनाना चाहते हैं, इसलिए बहुत संभव है कि उन्होंने इस संबंध में विचार किया हो। पर भारतीय कप्तान की गुत्थी इतनी आसानी से सुलझने वाली नहीं है। इसकी वजह कप्तान बनाते समय ध्यान रखना होगा कि जून में शुरू होने वाले इंग्लैंड़ दौरे की टेस्ट सीरीज से ही अगली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की साइकिल शुरू होने वाली है। वैसे भी इंग्लैंड़ का दौरा खासा कठिन होता रहा है।

रोहित ने पिछले कुछ दिनों में इस तरह के बयान दिए थे कि वह इंग्लैंड़ दौरे के पहले दो टेस्ट खेलने के बाद अपने टेस्ट कॅरियर को लेकर कोई फैसला करने के इच्छुक हैं। पर अजित अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति रोहित के पिछली दो सीरीजों में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड़ के हाथों हारने के साथ उनके बेहद लचर प्रदर्शन के बाद उनके नेतृत्व में टीम भेजने को तैयार नहीं थी। इस मामले में उसके बीसीसीआई से भी विचार नहीं मिलते थे क्योंकि बीसीसीआई रोहित को कप्तान बनाए रखने की पक्षधर थी। चयनकर्ता रोहित को बिना कप्तान बनाए दौरे पर भेजना चाहते थे लेकिन रोहित संन्यास की घोषणा कर देंगे, इसका अंदाजा उन्हें भी नहीं था। पर रोहित ने सोचा होगा कि पिछली दो सीरीजों में प्रदर्शन को देखते हुए कप्तान न रहने पर टीम में उनकी जगह बनती ही नहीं है, इस कारण उन्हें टेस्ट कॅरियर पर विराम लगाने का फैसला कर लिया। सवाल यह है कि इस दौरे के लिए चयन समिति किसके कंधों पर कप्तानी की जिम्मेदारी देगी। मुख्यतः चार खिलाड़ी हैं, जिन्हें कप्तानी का दावेदार माना जा रहा है। इन चार नामों में शुभमन गिल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और केएल राहुल हैं पर इनमें सबसे आगे शुभमन का नाम माना जा रहा है। इसकी एक वजह तो यह है कि चयन समिति किसी युवा को यह जिम्मेदारी सौंपना चाहती हैङ्क इस पर गिल 25 साल के होने से एकदम से खरे उतरते हैं। यह सही है कि उन्हें अभी टेस्ट ही नहीं वनडे.में भी कप्तानी करने का अनुभव नहीं है। पर वह भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी कर चुके हैं। वह आजकल आईपीएल में गुजरात टाइटंस की अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। भारतीय टीम के मौजूदा कोच गौतम गंभीर भी किसी युवा को कप्तानी सौंपने के पक्षधर हैं। ऐसा वह इसलिए सोचते हैं कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तीन साल की नई साइकिल में एक ही कप्तान रहे, यह सोच भी गिल को आगे करती है।

केएल राहुल भी कप्तानी के प्रमुख दावेदार माने जा रहे थे। पर उन्होंने पिछले दिनों दिल्ली केपिटल्स की कप्तानी करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई, इससे लगता है कि वह अपने प्रदर्शन को प्रभावित होने से बचाने के लिए कप्तानी का भार नहीं उठाना चाहते हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह पिछले कुछ समय से टेस्ट टीम में रोहित के उपकप्तान रहे हैं। वह तीन टेस्ट में कप्तानी करके इसमें से एक को जीत भी चुके हैं। लेकिन उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए, लगातार पांच टेस्ट में शायद खिलाया भी न जाए। ऐसी सूरत में उन्हें कप्तान बनाना न्यायोचित नहीं होगा। ऋषभ पंत भी एक समय कप्तान बनने के प्रमुख दावेदार रहे हैं पर इस सत्र में उनका बल्ला रूठा हुआ है और कप्तानी भी रंग जमाती नहीं दिख रही है। वैसे वह टीम के लिए अहम हैं, इसलिए उन पर कप्तानी का दवाब शायद ही ड़ाला जाए।

रोहित से आईपीएल कमेंट्री के दौरान एक साक्षात्कार में पूछा गया कि किस युवा को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए। उनका कहना था कि टेस्ट टीम की कप्तानी करना खासा मह'वपूर्ण होता है। इसे अपने प्रदर्शनों से हासिल किया जाए तो बेहतर होगा। यह किसी को सौंपी नहीं जानी चाहिए। इस पर भी शुभमन ही सबसे ज्यादा खरे उतरते हैं। इसकी वजह गुजरात टाइटंस की कप्तानी करने के दौरान गेंदबाजों का अच्छा इस्तेमाल कर रहे हैं और उनका बल्लेबाजी प्रदर्शन भी निखार पर है। पर आईपीएल टीम की कप्तानी करना और टेस्ट टीम की कप्तानी करने में खासा फर्क है। वैसे भी टाइटंस के फैसलों में कप्तान से ज्यादा कोच आशीष नेहरा सक्रिय नजर आते हैं। वैसे भी हर अच्छा खिलाड़ी अच्छा कप्तान नहीं होताङ्क यह बात सचिन तेंदुलकर की कप्तानी से साबित हो चुकी है। शुभमन को कप्तान बनाने का फैसला बैकफायर भी कर सकता है। भारत में क्रिकेटरों का दर्जा हीरोज वाला रहता है पर क्रिकेटरों को विदाई टेस्ट के साथ विदा नहीं किया जा पा रहा है। यह अच्छी परंपरा नहीं है। रोहित को इंग्लैंड़ में एक टेस्ट खेल कर विदा लेने के लिए मनाया जाता तो बेहतर होता पर लगता है कि कप्तान नहीं बनाए जाने के फैसले से आहत होने की वजह से उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी। यह खिलाड़ियों और प्रबंधकों में संपर्क की कमी का मामला ज्यादा लगता है। वैसे बीसीसीआई को तमाम उपलब्धियां दिलाने वाले क्रिकेटरों को सम्मान के साथ विदा करने की कोई नीति बनानी चाहिए।

# 'सोशल मीडिया पर सेना का मनोबल मत गिराएं युवा'

## सीएम योगी ने कहा: पीएम मोदी का सिद्धांत, नेशन फर्स्ट, लखनऊ में टीचर्स का सम्मान किया

**लखनऊ ।** गोमती नगर एक्सटेंशन स्थित सीएमएस स्कूल में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- शिक्षा केवल अच्छे अंकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे नैतिक मूल्यों, संस्कारों और राष्ट्र प्रथम की भावना से जोड़ना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त किया। कहा- जब युवाओं के भीतर राष्ट्र के प्रति श्रद्धा का अभाव होता है, तभी देश विरोधी विचार पनपते हैं। सोशल मीडिया पर सेना के मनोबल को कमजोर करने वाले पोस्ट भी करते हैं। शिक्षकों का उत्तरदायित्व है कि वह न केवल ज्ञान दें, बल्कि छात्रों में देशभक्ति और नैतिकता भी रोपें। युवा सोशल मीडिया पर सेना का मनोबल न गिराएं। उन्होंने कहा- हम अक्सर शिक्षा को अंकों तक सीमित कर देते हैं, लेकिन शिक्षा का उद्देश्य जीवन निर्माण है। एक ऐसा जीवन जो देश के लिए उपयोगी हो, समाज के लिए प्रेरणा हो। जब हम शिक्षा को संस्कारों और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ते हैं, तभी विकसित भारत की नींव रखी जा सकती है। सीएम योगी ने शिक्षकों को नेशन फर्स्ट के मूलमंत्र पर काम करने की सीख दी। उन्होंने कहा- शिक्षक ही भावी पीढ़ी का निर्माण करता है। यदि उसने नेशन फर्स्ट का लक्ष्य मानकर काम नही किया तो देश कभी विकसित और आत्मनिर्भर नहीं बन पाएगा। उन्होंने कहा- कि 70 वर्ष पूर्व डॉ. जगदीश गांधी और डॉक्टर भारती गांधी ने सीमित संसाधनों के बावजूद महान उद्देश्य को लेकर इस संस्थान की नींव रखी। जब वे लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र थे, तब न तो उनके पास कोई संसाधन था, न ही कोई विशेष व्यवस्था, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और राजधानी में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का सपना देखा। सीएम योगी ने देश की वैदिक परंपराओं की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारा वैदिक उद्घोष माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः रहा है। यह वही भावना है, जिसे डॉ. गांधी ने 'जय जगत' के रूप में प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी भावना को ह्यनेशन फर्स्टह्न के सिद्धांत में दोहरा रहे हैं। हमें भी इसी सिद्धांत के साथ जीवन के हर क्षेत्र में कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने उक्रउए बोर्ड के 12वीं और 10वीं के टॉपर्स समेत खएए मेन टॉपर स्टूडेंट्स को सम्मानित भी किया। टॉपर को 1 लाख की सम्मान राशि दी गई। इस दौरान सीएमएस संस्थापिका भारती गांधी, सीएमएस की प्रबंधक प्रो. गीता गांधी, सीएमएस की प्रेसिडेंट डॉ. रोजर किंगडम, कोषाध्यक्ष विनय गांधी, पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने बेहतरीन डांस प्रस्तुतियों से शमां बांध दिया। सीएम योगी और पेरेंट्स ने स्टूडेंट्स की डांस प्रस्तुतियों की सराहना की। उट योगी ने कहा- पीएम मोदी भी यही कहते हैं कि हम सभी के लिए नेशन फर्स्ट पहला लक्ष्य और मंत्र होना चाहिए। ये काम सिर्फ देश के नेतृत्व, सेना के जवानों और प्रशासनिक अफसर का ही नहीं है। शिक्षकों के लिए भी होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा- उटर बेहतरीन शिक्षण संस्थान है। उन्होंने कहा- याद रखना। सफलता इस बात निर्भर करती है कि आपने शुरूआत कैसे की है। नेक नियति से शुरूआत करने पर परिणाम भी सुखद रहते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स और पेरेंट्स शामिल हुए है।

# प्रत्येक मृतक आश्रित को सपा आज देगी राहत चेक

संवाददाता

**कसया, कुशीनगर।** हाटा के पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा है कि पूर्व में नारायनपुर चरगहा निवासी का भुजौली के पास में हुए मार्ग दुर्घटना में पांच मद्धेशिया युवकों और एक यादव परिवार के युवक सहित कुल छह लोगों का दर्दनाक मौत हो गई थी। जिले में आये राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संवेदना व्यक्त करते हुए मदद के लिए सभी मृतक आश्रितों का बैंक एकाउंट नम्बर और आधार कार्ड पार्टी कार्यालय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। रविवार को पार्टी के पदाधिकारी और पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह मृतकों के परिजनों को पचास - पचास हजार रूपए का चेक सौंपेंगे। पूर्व मंत्री श्री सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कथनी- करनी में फर्क नहीं पड़ता है। विपक्ष में रहकर भी लोगों के संवेदना व्यक्त करते हुए हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा मृतकों के परिजनों को यह मदद करना एक ऐतिहासिक कदम है ।

# पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. राजमंगल पांडेय की मनाई गयी जयंती

संवाददाता

**कसया, कुशीनगर।** पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री स्व. राजमंगल पाण्डेय की जयंती फाजिलनगर और सपहा में समारोह पूर्वक मनाई गई। लोगों ने उन्हें स्मरण किया। प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और उनके कृतित्व व व्यक्तित्व को अनुकरणीय बताया। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सांसद और स्व. पाण्डेय के सुपुत्र राजेश पांडेय उर्फ गुड्डू पांडेय ने आए लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा की उनके पिता एक न्यायप्रिय व्यक्तित्व के साथ श्रेष्ठ प्रशासक थे। तत्कालीन देवरिया और कुशीनगर जिला के नागरिकों के सम्मान की रक्षा के साथ 30 हजार परिवारों के आजीविका की व्यवस्था की जिस कारण आज लाखों लोग प्रतिष्ठित जीवन जी रहे हैं। इस दौरान एड प्रभुनाथ मिश्रा, एडवोकेट पंचानंद मिश्रा, नीतीश यादव सहित आदि मौजूद थे।

# गुजरात के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय ने डॉ. प्रदीप मिश्रा को किया सम्मानित

संवाददाता

-------------

भाटपार रानी, देवरिया। क्षेत्र के ग्राम जोगऊर निवासी डॉ०प्रदीप मिश्रा पुत्र श्री ध्रुव नारायण मिश्र, जो गुजरात के मेहसाणा जिले में स्थित सांकल चन्द पटेल विश्वविद्यालय में प्रबंधन संकाय में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं, को सांकल चन्द पटेल विश्वविद्यालय के 9 वे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया, जिसमें उनको प्रशस्तिपत्र के साथ 51 हजार रूपए नगद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। डॉ प्रदीप मिश्र की यह महती उपलब्धि भाटपार रानी क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है, जिन्होंने ग्रामीण अंचल से निकल कर अपनी योग्यता का सफल प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि के लिए क्षेत्र के शिक्षाविद डॉ०पवन कुमार राय,

डॉ०शरद मिश्र, सहित अनेक लोगों ने शुभकामनाएं दी हैं। इस उपलब्धि के लिए डॉ० प्रदीप ने अपने माता पिता सहित समस्त परिवार के सदस्यों तथा गुरुजनों का आभार व्यक्त किया। डॉ० प्रदीप द्वारा लिखित एक दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं जो भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयो में पढ़ाई जाती हैं।

# पौधे धरती का श्रृंगार और धरती का आधार: प्रो. गौरव तिवारी

संवाददाता

**कुशीनगर।** मातृ दिवस की पूर्व संध्या पर नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा नगर पालिका परिषद कुशीनगर स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय भलुही मदारीपट्टी में पौध रोपण कर बच्चों व अतिथियों को घर पर अपनी माँ के साथ लगाने हेतु पौधा भेंट किया गया। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ० प्रतिभा तिवारी का जन्मोत्सव भी मनाया गया। डॉ० प्रतिभा ने सभी आगंतुकों का स्वागत व आभार प्रकट किया। मुख्य अतिथि बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर में हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ० गौरव तिवारी ने कहा कि मातृ दिवस की पूर्व संध्या पर अपनी अपनी माताओं के प्रति संवेदनशील होने के साथ धरती माता के लिए संकल्पशील होने की आवश्यकता है। पौधे धरती का श्रृंगार तो हैं ही हमारे जीवन का आधार भी हैं। इसलिए इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपनी मां के साथ पौधे लगाने की प्रेरणा देना बहुत सुखद है। बीएड विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ० निगम मौर्य ने कहा कि गर्मी के इस महीने में पौधों का महत्व ज्यादा समझ में आता है।कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव डॉ० हरिओम मिश्र ने किया। उन्होंने बताया कि कुछ दिनों पूर्व विद्यालय के बच्चों के साथ बैठक कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर घर पर पौधे लगाने हेतु प्रेरित किया गया था। इस क्रम में बच्चों को पौधा वितरित किया गया और वे इसे अपनी माँ के साथ लगाएंगे और जिस प्रकार माँ हमारा ध्यान रखती हैं उसी प्रकार बच्चे अपनी माँ और धरती माँ के लिए इस पौधे का ध्यान रखेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्राथमिक संवर्ग के मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ल, डॉ० सौरभ द्विवेदी, हरीन्द्र चौरसिया, कृष्णमोहन, अभिषांक शर्मा, ममता कश्यप, रंजीत पटेल, सुदर्शन, सुमित्रा देवी, रमावती देवी आदि उपस्थित रहे।

# वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या: जिलाधिकारी

संवाददाता

**देवरिया।** महर्षि देवराहा बाबा स्वशासी मेडिकल कॉलेज, देवरिया में वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारियों और उनके बचाव पर आधारित सतत चिकित्सा शिक्षा (उटए) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक चिकित्सकों, विशेषज्ञों और मेडिकल छात्रों ने भाग लेकर वायु प्रदूषण से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या है, जिससे हर व्यक्ति प्रभावित हो सकता है। इसके प्रभाव से बचने और प्रदूषण को कम करने के लिए सभी को जागरूक होना चाहिए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी पर भी जोर दिया। मुख्य सत्र में लंग केयर फाउंडेशन के संस्थापक एवं ट्रस्टी तथा डॉ. बी. सी. रॉय पुरस्कार विजेता डॉ. अरविंद कुमार ने वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों एवं उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। वहीं, प्रबंधन सलाहकार एवं लेखक डॉ. राजीव खुराना ने चुनौतीपूर्ण मामलों के प्रबंधन एवं उपलब्ध आधुनिक उपचार विधियों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार बरनवाल और डॉ. अनुराग शुक्ला ने सभी विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए वायु प्रदूषण के प्रभावी नियंत्रण एवं उन्मूलन के लिए प्रतिबद्धता दोहराई।इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सकों में डॉ. एच. के. मिश्रा (मुख्य चिकित्सा अधीक्षक), डॉ. सिराजुद्दीन अंसारी, डॉ. इकबाल अहमद, डॉ. जमाल हैदर, डॉ. जयंत राय, डॉ. मृतुंजय पांडेय, डॉ. अरुणेश, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. आर. श्रीवास्तव, डॉ. जफर अनीस, डॉ. प्रकाश कुमार, डॉ. पवन त्रिवेदी, डॉ. सरफराज सिद्दीकी, डॉ. सुमित चौधरी, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. संजीव अग्रवाल, डॉ. बरेस नागरथ, डॉ. स्वेता सिंह, डॉ. प्रियंका राय, डॉ. पूनम बाला, डॉ. सुरुचि, डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, डॉ. विकास मित्तल और डॉ. सौरभ बरनवाल सहित कई चिकित्सकों की उपस्थिति रही।

# थाना दिवस पर डेस्क सिस्टम के तहत की जा रही जनसुनवाई

संवाददाता

**देवरिया।** शनिवार को जनपद देवरिया के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समस्त थानों पर राजस्व के अधिकारी एवं पुलिस के अधिकारी मौजूद रहकर उनके द्वारा जनता की समस्याओं को सुना गया एवं संयुक्त रूप से राजस्व व पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर कई समस्याओं का निस्तारण भी कराया गया। पुलिस अधीक्षक देवरिया श्री विक्रान्त वीर के निर्देशन में जनपद में बेहतर जनसुनवाई एवं पुलिस के उत्तरदायित्व निर्धारण करने, संवेदनशीलता बढ़ाने, एवं बेहतर पारदर्शिता बढ़ाने के लिए थाना दिवस पर डेस्क सिस्टम के तहत समस्त थानों पर हल्का प्रभारी व बीट पुलिस अधिकारी द्वारा अपने-अपने हल्का/ग्राम/बीट की डेस्क लगाकर जनसमस्याओ को सुना गया और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण भी कराया गया।इसी क्रम में जिलाधिकारी देवरिया श्रीमती दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक देवरिया श्री विक्रान्त वीर द्वारा थाना कोतवाली में जनसमस्याओं को सुना गया जिसके क्रम में थाना कोतवाली पर कुल 07 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 01 प्रार्थना पत्र का निस्तारण कराया गया शेष प्रार्थना पत्रों में राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम का गठन कर उनके निस्तारण हेतु संबन्धित को उचित दिशा निर्देश दिये गये । इस अवसर पर पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग के संबन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जनपद के समस्त थानों पर कुल 138 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 30 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया।

# सपा कार्यकत्ताओं का पीडब्ल्यूडी विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

बरहज, देवरिया। बरहज के देवरिया बाईपास पर शनिवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन देवरिया पीडब्ल्यूडी विभाग में कथित 6 करोड़ 8 लाख 20 हजार रुपए के होने वाले घोटाले को लेकर किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई हैं।सपा के जिला उपाध्यक्ष एन.पी. यादव और वरिष्ठ नेता विजय रावत ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में जनप्रतिनिधियों की शह पर अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच तालमेल की कमी के चलते यह भ्रष्टाचार सामने आया है, जिससे जनपदवासियों में गहरा आक्रोश है।समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष रणवीर यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अधिकारी बेलगाम हो चुके हैं और हर विभाग में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो समाजवादी पार्टी का युवा मोर्चा बड़ा आंदोलन करेगा।प्रदर्शन में यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष खुर्शीद आलम, लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष दिव्यांश श्रीवास्तव, छात्र सभा के जिलाध्यक्ष मनोज यादव, इमामुद्दीन खान, विकास, मुन्ना, सुनील, तारकेश्वर, सुरेश राजभर, अनिल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# गन्ने की 40% उपज कम कर देता है खरपतवार: ओमप्रकाश गुप्ता

संवाददाता

**कुशीनगर।** कुशीनगर की मिट्टी और जलवायु गन्ने की खेती के लिए उपयुक्त है आवश्कता है वैधानिक ढंग से गन्ने की खेती करने की ट्रेन्चे विधि से गन्ना बुवाई, पेड़ी गन्ने की वैज्ञानिक तथा समय से गन्ना फसल को हानिक नुक्सान पहुंचाने वाले खरपतवारो घास को नियंतण करने की की यदि समप से खरपतवारों का नियंत्रण नहीं किया गया तो गन्ने की 40% उपज कम कर देता है। ये बातें उ० प्र० गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र - पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक, ओमप्रकाश गुप्ता ने ढाढा चीनी मिल परिसर के ग्राम हरपुर सोनवरसा- कोनालिस प्रकाश गुप्ता ने कोनवलिया में आयोजित गन्ना विकास गोष्ठी में किसानों को सम्बोधित करते हुए। हीं। बताया कि इस समय गन्ना खेत में मोथा, बथूआ, मकोय, आदि खरपतवार देखा जा रहा, किसान गन्ने के खेत में जो भी उर्वरक खाद प्रयोग करते हैं उसका 4 गुना नाईट्रोजन, 3 गुना 'फास्फोरस, 2.5 गुना पोटाश खुरपतवार उपयोग करते हैं, पेड़ी गन्ना फसल में किसान समय से गुड़ाई, सिंचाई, उर्वरक नहीं करते हैं।

पूछे जाने पर पूर्व सहायक निर्देशक गुप्ता ने बताया कि लगातार एक खेत में गन्ना न बोये, फसल चक्र अपनाये, गर्मी में जुताई, गुड़ाई करे, उड़द मूंग ढैचा बोए गन्ने की सूखी पत्तिया बिछा दे। विशेष दशा में किसी खरपतवार नाशक, रसायन सिंचाई के बाद जैसे रक्षक मात्रा 115 मिली., 500 ग्राम, एट्राज्ञीन को 150 लीटर पानी में घोलकर छींड़काव करें एक एकड़ खेत में, गन्ना बोने के 50 से 120 दिनो तक गत्रा फसल को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाता है।

ढाढा चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष श्री करन सिंह ने कहा कि गन्ने की दो लाईन के बीच खाली स्थानों की गुड़ाई के लिए गन्ना यंत्र अनुदान पर किसानों को दे रही है चीनी मिल। गन्ना फसल में लगने वाले कीटो के नियंतण के लिए कीटनाशक का छिड़काव करा रही है चीनी मिल, गन्ने की उत्पादन लागत को कम करने, श्रमिकों की समस्या को दूर करने, बीज गन्ना की बचत करने, खरपतवारों से बचाव आदि के लिए मिल परिक्षेत में कई लाख गन्ने का पौध तैयार कर, रोपाई कराया गया है। उप महा प्रबंधक गन्ना डी.डी. सिंह, गन्ना प्रबंधक रामदेव शर्मा ने माथमुडिया कीट नियंतण के उपाय बताए। गोष्ठी में श्री रामकुमार राय, त्रिभुवन, अरविंद राय, मुकेश राय, जनार्दन पाल आदि कृषक उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त डायरी

### भारतीय संस्कृति सहिष्णुता, विश्व बंधुत्व और करुणा की पोषक : डॉ राकेश सिंह

संवाददाता

**कुशीनगर।** संस्कृति विभाग यूपी/राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर के तत्वावधान में म्यांमार मंदिर कुशीनगर में आयोजित पांच दिवसीय भारतीय संस्कृति अभिरुचि पाठ्यक्रम के चौथे दिन बच्चों को भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. राकेश सिंह, प्रोफेसर इतिहास बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने कहा कि डॉ राकेश सिंह ने सम्राट अशोक के द्वारा प्रतिपादित धर्म (धम्म) सिद्धांत और वेद पुराण उपनिषद में वर्णित संस्कृति का तुलनात्मक व्याख्या करते हुए बताया कि भारतीय संस्कृति जन कल्याण - (बहु कयाने) सहिष्णुता, विश्व बंधुत्व और करुणा की पोषक रही है. उन्होने 600 ईसा पूर्व की समाज और संस्कृति पर भी विस्तार से चर्चा की और बताया की लोकतान्त्रिक प्राणली का जनक भारत ही है। विशिष्ट वक्ता डॉ. अजय मिश्रा, प्रोफेसर इतिहास, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। संचालन तेज प्रताप शुक्ल व अतिथियों के प्रति आभार राजकीय बौद्ध संग्रहालय के तरुण शुक्ला ने व्यक्त किया। इस अवसर पर संग्रहालय के दिनेश दुबे, धीरेंद्र मिश्रा, बेग, ललित, भंते नंदका, भंते उपाली, भंते यशपाल व अन्य भिक्षुगण भी उपस्थित रहे।

### हमीरपुर में महाराणा प्रताप जयंती पर निकल रहे जुलूस में हुये बवाल में नौ नामजद सहित अज्ञातों के खिलाफ मामला दर्ज

संवाददाता

**हमीरपुर।** उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के मौदहा क्षेत्र के सिजवाही में 9 मई 2025 को महाराणा प्रताप जयंती पर निकाले जा रहे जुलूस में डीजे पर बज रहे गाने का विरोध करने के बाद गाँव वालों और जुलूस में शामिल लोगों के बीच हुये पथराव के मामले में पुलिस ने मातादीन पुत्र मांगी निवासी ग्राम सिजवाही मौदहा, हमीरपुर से मिली तहरीर के मुताबिक मुकदमा अपराध संख्या 161/2025 धारा 191(2)/115(2)/ 324(4) /352/125 बीएनएस व 3(2) VA U 3(1)द/ध SC/ST के तहत सार्थक सिंह उर्फ शनी सिंह, सौरभ सिंह पुत्र रंगबहादुर, रामू पुत्र हरिशरण सिंह, रामजी पुत्र अज्ञात, राहुल सिहं पुत्र अज्ञात, रवि पुत्र धीर सिंह, विकास पुत्र ज्ञान सिंह, भूरा पुत्र रामसिंह, कुन्नू पुत्र फूल सिंह सहित नौ नामजद के साथ ही कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला हुआ दर्ज, जबकि पुलिस आरोपियों की तलाश के साथ ही मामले की जांच में भी जुटी है।

### गायत्री प्रज्ञा पीठ फाजिलनगर में संस्थापक सदस्यों की स्मृति पटल का 12 मई को होगा अनावरण

संवाददाता

**कुशीनगर।** फाजिलनगर में गायत्री प्रज्ञा पीठ में आगामी 12 मई, दिन सोमवार को प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक एक भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह के दौरान पीठ के संस्थापक सदस्यों की स्मृति पटल का श्रद्धालुओं और गायत्री परिवार के कार्यकताओं की उपस्थिति में अनावरण किया जाएगा। समारोह को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। आयोजन समिति के अनुसार, स्मृति पटल पर उन सभी संस्थापक सदस्यों के नाम और योगदान का उल्लेख किया गया है, जिन्होंने गायत्री प्रज्ञा पीठ की स्थापना एवं विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गायत्री परिवार के स्थानीय संयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रेरक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति की संभावना है।

### रोजगार मेले का हुआ आयोजन

संवाददाता

**भटनी, देवरिया।** देववली सिंह में प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल कंपनी स्टेलांटिस द्वारा रोजगार मेला (कैम्पस चयन) आयोजित किया गया। चयन प्रक्रिया में विभिन्न शासकीय एवं निजी आई.टी.आई. संस्थानों के लगभग 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 21 छात्रों का चयन हुआ। कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष अनिल सिंह, प्रबंधक विनय सिंह, प्रधानाचार्य प्रविन्द्र सिंह, नोडल अधिकारी नारायण सिंह तथा अनुदेशक अमित दीक्षित उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य प्रविन्द्र सिंह ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्थान न केवल तकनीकी शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि छात्रों को रोजगार दिलाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि यहां से उत्तीर्ण एवं अध्ययनरत विद्यार्थियों को 20,000 से 25,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय पर प्रशिक्षण (अप्रेंटिसशिप) के अवसर भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

### महिला के कमरे में अंडरवियर व बनियान पर पकड़ा गया सिपाही निलंबित

संवाददाता

**तरकुलवा देवरिया।** चार दिन पहले महिला के कमरे में अंडरवियर व बनियान पर पकड़े गए यूपी 112 के सिपाही को एसपी विक्रांत वीर ने निलंबित कर दिया है। साथ ही इसकी जांच सीओ भाटपाररानी एसपी सिंह को सौंपी गई है। तरकुलवा थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक की पत्नी अपनी दो बेटियों को पढ़ाने की बात कह कर देवरिया में किराये का कमरा लेकर रहती है। जबकि पति को वह कमरा नहीं दिखाई थी। कुछ अंदेशा होने पर पति महिला का कमरा ढूढते हुए चार दिन पहले अचानक पहुंच गया और कमरे का फाटक खुलवाया तो अवाक रह गया।कमरे में यूपी 112 में तैनात सिपाही अर्जुन गुप्ता अंडरवियर व बनियान पर लेटा हुआ था। एसपी ने मामले की जांच सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी को सौंपी थी। जांच के बाद सीओ सिटी ने अपनी रिपोर्ट एसपी को दे दी। रिपोर्ट मिलने के बाद एसपी ने सिपाही अर्जुन गुप्ता को निलंबित कर दिया है।

### पूर्व ब्लाक प्रमुख के बेटे समेत तीन के विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्रवाई

संवाददाता

**सलेमपुर,देवरिया।** एसपी विक्रांत वीर के निर्देश पर पुलिस ने सलेमपुर के पूर्व ब्लाक प्रमुख के बेटे समेत तीन के विरुद्ध गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई कर दी। अब पुलिस इनकी निगरानी भी करेगी। भटनी पुलिस ने नोनापार निवासी शिरीश तिवारी के विरुद्ध गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। जबकि सलेमपुर कोतवाली पुलिस ने सलेमपुर के पूर्व ब्लाक प्रमुख राजेश सिंह मंटू के बेटे प्रशांत सिंह पर भी गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। इसके अलावा बभनौली पांडेय निवासी व पूर्व चौकीदार अरविंद कुशवाहा पुत्र रामप्रीत कुशवाहा के विरुद्ध भी पुलिस ने गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

# तिरंगा शौर्य यात्रा का भव्य आयोजन

**चौथा स्तम्भ**

**गाजियाबाद।** भारत माता सांस्कृतिक संस्थान के संयोजन और ऑपरेशन सिंदूर के तत्वावधान में गाजियाबाद की ऐतिहासिक धरती पर तिरंगा शौर्य यात्रा का भव्य आयोजन हुआ। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना को समर्पित था, जिसमें जनसैलाब उमड़ पड़ा और गाजियाबाद देशभक्ति के रंग में रंग गया।यात्रा का शुभारंभ ठाकुरद्वारा मंदिर परिसर में चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पण के साथ हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने 10 मई 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के महान बलिदान को याद करते हुए कहा, ह्लयह तिरंगा यात्रा जन-जन में देशप्रेम की भावना का पुनर्जागरण है।ह्वकार्यक्रम के मुख्य आयोजक मयंक गोयल ने कहा, ह्ल1857 की क्रांति से लेकर आज तक तिरंगा हमारी अस्मिता और बलिदान का प्रतीक रहा है। यह यात्रा हमारे वीर जवानों को नमन और देश के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रभक्ति की भावना जन-जन में प्रज्वलित हो रही है।ह्वकैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा: ह्लयुवाओं की ऊर्जा को राष्ट्रहित में लगाने वाला अभूतपूर्व आयोजन।ह्वराज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप: ह्लसेना और नेतृत्व के प्रति जनभावना का अनोखा उदाहरण। विधायक संजीव शर्मा: ह्लयह तिरंगा यात्रा भारतीय संस्कृति का प्रतिबिंब है।ह्वविधायक अजीत पाल त्यागी: ह्लगाजियाबाद की एकता राष्ट्र निर्माण में प्रेरणा है।ह्वमहापौर सुनीता दयाल: ह्लहर वर्ग की भागीदारी ने आयोजन को गौरवशाली बना दिया।ह्वएमएलसी दिनेश गोयल: ह्लयह आयोजन हर भारतवासी की भावना का प्रतिनिधित्व करता है।ह्वपूर्व मंत्री अतुल गर्ग: ह्लयह यात्रा भारत माता के सम्मान की अमिट कहानी है।ह्वसरदार एसपी सिंह: ह्लपंथ और संप्रदाय से ऊपर उठकर राष्ट्र सर्वोपरि है, यही संदेश इस यात्रा ने दिया।25 से अधिक स्वागत केंद्रों पर ढोल-नगाड़े, पुष्प वर्षा और नारों के साथ अतुलनीय स्वागत किया गया।महाराजा अग्रसेन समिति, ऑल इंडिया मुस्लिम संघ, डॉ. अंबेडकर समिति, किसान एकता मंच, नारी शक्ति मंच, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सहित दर्जनों संगठनों ने भागीदारी कर ह्लअनेकता में एकताह्व का संदेश दिया।सेठ मुकुंद लाल स्कूल परिसर में 4000 से अधिक नागरिकों की उपस्थिति में आयोजन का समापन हुआ, जहाँ हजारों हाथों में लहराते तिरंगे और सामूहिक भारत माता की आरती ने दृश्य को अद्वितीय बना दिया।राष्ट्रकवि मोहित शौर्य ने ओजपूर्ण काव्य पाठ किया और रॉक बैंड की प्रस्तुति ने युवाओं में नई ऊर्जा भर दी।

## कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल का हुआ जोरदार स्वागत

**चौथा स्तम्भ**

**गाजियाबाद।** सेक्टर 8 सिद्धार्थ विहार गाजियाबाद स्थित हमारे प्रतिष्ठान ईसरवती काम्पलेक्स मे उत्तर प्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री आशीष पटेल पधारे। अपना दल एस के राष्ट्रीय सचिव अजीत सिंह बैसला ने साथियों सहित मा.मंत्री जी का भव्य स्वागत किया। मंत्री ने उपस्थित सभी लोगों से वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर सरकार व सुरक्षा बलो के निदेर्शों की पालना करने की अपील की।उसके बाद मा. मंत्री जी अमर शहीद धन सिंह कोतवाल जी के शहीदी दिवस मे शामिल होने के लिए मेरठ प्रस्थान कर गये। कार्य क्रम में श्री ओम प्रकाश यादव, श्री रामकिशन प्रधान,श्री बाबू राम बैसोया, श्री मामा प्रताप यादव, श्री अनिल भडाना, श्री सुरेश गुरू जी, श्री राम गोपाल श्री हरिओम बैसला, श्री सुमित बैसला,श्री मोहित बैसला,डा.मौ.खालिद, श्री यशपाल गुर्जर, श्री नदीम अशरफ जिलाध्यक्ष बदायूँ, श्री शेलेन्द्र यादव, श्री मंगत सिंह प्रजापति श्रीविनोद कुमार आदि ।

## सेंट हूड कॉन्वेंट स्कूल में धूमधाम से मनाया 'मदर्स डे'

**चौथा स्तम्भ**

दादरी स्थित सेंट हूड कॉन्वेंट स्कूल में मदर्स डे का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से किया गया। यह विशेष दिवस हर वर्ष मई माह के दूसरे रविवार को माताओं के सम्मान में मनाया जाता है। आज, 10 मई को, विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम, स्नेह और सम्मान को सुंदर प्रस्तुतियों के माध्यम से व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा गीत, नृत्य, कविता, और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने

सभी उपस्थित जनों का मन मोह लिया। विद्यालय में माताओं के लिए विशेष प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिनमें नृत्य, रैम्प वॉक, कला प्रदर्शनी आदि शामिल थीं। सभी माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. आशा शर्मा। उनके साथ उप-प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम शर्मा, श्रीमती तन्वी शर्मा, सीनियर विंग कोऑर्डिनेटर श्रीमती दिव्या गोले, एक्टिविटी इंचार्ज श्रीमती रीना वत्स, म्यूजिक टीचर श्री वारिस खान और डांस शिक्षक श्री विष्णु भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतियोगिताओं में से श्रेष्ठ माताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या डॉ. आशा शर्मा ने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं दीं और बताया कि बच्चों को शिक्षित करने के लिए नवीनतम तकनीकी एवं नवाचारों का कैसे उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों के साथ अपने अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा दो तक के बच्चों ने अपनी कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी माताओं को विशेष अनुभव कराया और उन्हें गर्वित किया।

## राज कुमार गोयल इन्सी0ऑफ टैक्नोलोजी एण्ड मैनेजमेन्ट कालिज में फेयरवेल पार्टी में का आगाज

**चौथा स्तम्भ**

**गाजियाबाद।** आर0के0जी0आई0टी0एम0 गाजियाबाद में आज शनिवार को फेयरवेल पार्टी का आगाज हुआ। जिसका विधिवत उदघाटन कालिज के वाईस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाईजर डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद, डायरेक्टर डॉ0 राकेश गोयल, डीन डी0एस0डब्लू हरी गोपाल गर्ग द्वारा माँ सरस्वती के सम्मुख द्वीप प्रज्जलित कर किया गया। कालिज के वाईस चेयरमैन अक्षत गोयल द्वारा सभी छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गयी। इस अवसर पर कॉलिज के तृतीय वर्ष के छात्र एवं छात्राओं ने रंगारग कार्यक्रम, रैम्प वॉक एवं नृत्य कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अन्त में कालिज के चेयरमैन श्री दिनेश कुमार गोयल द्वारा कालिज के सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा गया कि सभी छात्र अपने कार्य को बडी लगन एवं मेहनत के साथ करते हुए अपने जीवन में सदा उन्नति करें। इस अवसर पर मिस्टर एण्ड मिस फेयरवेल का आयोजन किया गया। जिसमें अन्तिम वर्ष के छात्र एवं छात्राओं का चयन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा0 मनोरमा शर्मा, डा0 आभा वत्स, खुशबु पाण्डे, प्रोक्टर अरूण कुमार पाण्डे, संदीप सिंह, निधि गर्ग आदि सभी विभागाध्यक्ष, फैक्लटी एवं स्टाफ मौजूद रहे।

# नाले को वार्ड 37 में न जोड़ने को लेकर पार्षद रवि भाटी के नेतृत्व में मेयर एवं भाजापा महानगर अध्यक्ष से मिले निवासी

**चौथा स्तम्भ**

**गाजियाबाद।** पार्षद रवि भाटी के नेतृत्व में वार्ड 37 की समस्त आरडब्लूए एवं क्षेत्र की जनता महापौर सुनीता दयाल ओर महानगर अध्यक्ष भाजपा मयंक गोयल से सिकंदरपुर के नए नाले को वार्ड 37 में ना जोड़ने के विषय को लेकर मिले। आरडब्लूए से डॉक्टर हेडगेवार कुंज रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन विक्रम एंक्लेव आरडब्लूए अध्यक्ष नरेंद्र सिंह बघेल, मुख्य सहलाकार विजय हांडू, महासचिव सौरव गुप्ता,एडवोकेट सुमित लक्ष्मी नारायण आरडब्लूए अध्यक्ष, वेद प्रकाश चौधरी,स्वामी विवेकानंद एंक्लेव निवासी कल्याण समिति शालीमार गार्डन ए ब्लाक के आरडब्लूए अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा, दिया कौशल,शहीद भगत सिंह आरडब्लूए अध्यक्ष अन्नू पाहवा, छत्रपति शिवाजी सुधार समिति हाउसिंग कांप्लेक्स आरडब्लूए अध्यक्ष एस पी सिंह,महासचिव योगेश माथुर, शालीमार गार्डन सुधार समिति शालीमार गार्डन मैंन के आरडब्लूए अध्यक्ष एस के शर्मा, उपाध्यक्ष जयवीर तोमर, सतीष भगत उपाध्यक्ष, हरेंद्र ठाकुर, श्रीराम सोसाइटी के आरडब्लूए अध्यक्ष हरीश खर्कवाल, पुष्पेंद्र,विजय विहार आरडब्लूए अध्यक्ष डॉक्टर गुलशाद, नासीर,सूर्या पार्क आरडब्लूए अध्यक्ष मुकेश यादव, प्रमोद चौधरी,आरडब्लूए अध्यक्ष सोमदत्त शर्मा, दीपक मिश्रा,शिन्टू चौधरी, राजेंद्र सोलंकी,रामपाल उपाध्याय,इत्यादि लोगों ने महापौर श्रीमती सुनीता दयाल जी ओर आदरणीय मयंक गोयल जी महानगर अध्यक्ष भाजपा को पार्षद रवि भाटी एवं सभी 10 से अधिक आरडब्लूए ने लिखित में शिकायत पत्र दिए जिसमें उनकी शिकायत हैं कि सिकंदरपुर एयरपोर्ट के पास गौर सिटी बिल्डर के लिए नगर निगम गाजियाबाद एक नाले का निर्माण कर रहा हैं जिसका नई सोसाइटी का सारा गंदा पानी वजीराबाद जीटी रोड पार करके 80 फूट रोड़ विक्रम एंक्लेव वार्ड 37 के मुख्य नाले में छोड़ना एवम जोड़ना चाहते है। पार्षद रवि भाटी ने बताया कि यह नाला पहले ही छाबड़ा कॉलोनी , विक्रम एंक्लेव,80 फूट रोड़, बच्चा कॉलोनी, पप्पू कॉलोनी और शालीमार गार्डन मैंन एवम ए ब्लाक, बी ब्लॉक होते हुए गंदगी से भरा एवम बरसातो में ओवरफ्लो की स्थिति में रहता है। यदि इसमें सिकंदरपुर ग्राम ,अजंतापुरम , गौर एयरो सिटी, हाईराइज सोसाइटी का अतिरिक्त पानी जोड़ा गया, तो 50,000 से अधिक लोगों को जलभराव, गंदगी और बीमारी का सामना करना पड़ेगा। पार्षद रवि भाटी ने एक सुझाव भी दिया कि हम नाले एवं विकास कार्य का विरोध नहीं कर रहे हम यह चाहते है कि इस नाले को सिकंदरपुर चौकी की तरफ से वजीराबाद मैन रोड़ गरिमा गार्डन वाले कट से बड़े नाले में जोड़ दिया जाए। महापौर जी ने आश्वासन दिया है कि चीफ इंजीनियर एवं अधिकारियों से बात करके इसका समाधान निकालते हैं।

## संक्षिप्त डायरी

### हिंद की सेना को हम दिल की गहराइयों के साथ सलूट करते हैं: समाजसेवी अजय गुप्ता

**चौथा स्तम्भ**

**गाजियाबाद।** हमें गर्व है हिंद की सेना पर,हमें गर्व है ऐसे जांबाज सैनिकों के मां-बाप पर,पूरा देश इनके जज्बे को सलाम करता है,जब हम अपने घर में आराम से सो रहे होते हैं,तो दुश्मन से हमारी रक्षा करता है,देश का हर जब सैनिक,घर से निकलता है,उसके परिवार वाले मायूस नहीं,बल्कि गर्व करते हैं,अपने बेटे या बेटी पर,युद्ध हो या,देश में कोई भी आपदा आए,उसके लिए तत्पर तैयार रहते हैं,अपनी जान की परवाह न करते हुए,वतन के लिए लड़ते हैं,देश के लिए लड़ना बहुत गर्व की बात बात है सभी देशवासियों के लिए,भारत में भी 12इँ,क्लास तक आर्मी ट्रेनिंग का 6,महीने का कोर्स लागू,होना चाहिए,भारत माता की,रक्षा करने,और देश के ऊपर मरमिटने वाले प्रत्येक सैनिक के लिए,हम सभी देश के नागरिक,महादेव और मां दुर्गा से उनकी सलामती की दुआ करते हैं,और प्रार्थना करते हैं,और देश पर शहीद होने वाले हर जांबाज सैनिकों को नमन करते हैं,भारत देश है मेरा,तिरंगे को कभी झुकने नहीं देंगे,भारत माता की जय वंदे मातरम, जय-हिंद अजय गुप्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल एवं समाजसेवी

### एनिमल वेल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया ने अर्बन लोकल बॉडीज को एडवाइजरी जारी करने का दिया आश्वासनः कर्नल टीपी त्यागी

**चौथा स्तम्भ**

**गाजियाबाद।** शनिवार को नई दिल्ली स्थित एनिमल वेल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के कॉन्फ्रेंस हॉल में राष्ट्रीय कोरवा, कोरवा-यूपी और फ्लेट ओनर फेडरेशन गाजियाबाद के संयुक्त प्रतिनिधि मण्डल के साथ एक बैठक आयोजित की गई। ए डब्लू बी आई के जाइंट कमिश्नर एच आर खन्ना एवं साहयक सचिव प्राची जैन इस बैठक में मौजूद रहे। बैठक का नेतृत्व कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी ने किया। बैठक में ज्ञान सिंह, सौरभ गांधी, रंजू मिनहास, डॉ मधु सिंह, उर्वशी वालिया, राजीव खोसला, डॉ पवन कौशिक, राज कुमार त्यागी, डॉ आर पी शर्मा शामिल रहे। राष्ट्रीय कोरवा, कोरवा-यूपी एवं फ्लेट ओनर फेडरेशन गाजियाबाद ने ए डब्लू बी आई से अर्बन लोकल बॉडीज को एक एड्वाइजरी जारी करने का अनुरोध किया। जिसमें कुत्तो का बंध्यकरण एनजीओ द्वारा न करवाकर स्वयं लोकल बोडीज द्वारा कराया जाने, फीमेल डॉग के स्ट्रेलाइजेशन को प्राथमिकता देने, कुत्तो के लिए फीडिंग पॉइंट निर्धारित करने का अधिकार केवल सोसाइटीज के एसोसिएशन को देने, डॉग्स फीडिंग केवल एसोसिएशन द्वारा की जाये और जो डॉग लवर उन्हे खाना खिलाना चाहते है वो उस खाने को एसोसिएशन को उपलब्ध कराये, गेटिड सोसाइटीज मे स्ट्रीट डाग्स के रहने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाये, जिससे रेरा 2016 और यूपी अपार्टमेंट ऐक्ट 2010 की मूल भावना का उल्लंघन न हो, आदतन काटने वाले कुत्तों को सोसाइटी से स्थायी रूप से हटाकर शेल्टर होम मे रखे जाने की सिफारिश की। ए डब्लू बी आई के जाइंट कमिश्नर एच आर खन्ना एवं साहयक सचिव प्राची जैन ने कहा कि उपरोक्त कुछ बिन्दुओ पर व्यवहारिकता के आधार पर विचार किया जाएगा और यूएलबी को एड्वाइजरी भी जारी की जा सकती है।

### वाहन चोर शाका को दौड़ाकर पुलिस ने गोली मारी

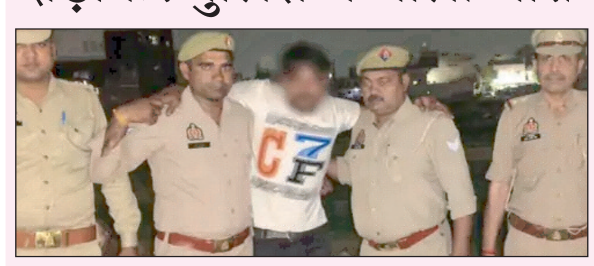

**गाजियाबाद ।** टीला मोड़ थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक वाहन चोर को एनकाउंटर के दौरान अरेस्ट किया है। जिसने भागते समय पुलिस पर तमंचे से फायरिंग की। बाद में पुलिस ने पैर में गोली मारकर अरेस्ट कर लिया शाखा एनसीआर का सटीक चोर है। जिस पर एक दर्जन से अधिक मुकदमे हैं, और स्कूटी और बाइक को चोरी कर दिल्ली में दूसरे स्थान पर बेचता है। पूछताछ में पता चला है कि सागर ऊर्फ शाका के साथ अन्य युवक भी गैंग में शामिल हैं। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। शुक्रवार रात थाना टीलामोड़ पुलिस द्वारा सिविल एयर पोर्ट को जाने वाली सड़क पर की जा रही थी। डिफेंस कट पर संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान थाना टीलामोड़ पुलिस टीम द्वारा चौकी सिकन्दरपुर की ओर से तेजी से आ रही बाइक को चेकिंग के लिए रोकने का इशारा किया गया। बाइक सवार को मोड़कर डिफेंस कॉलोनी की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर तेजी से भागने लगा। जल्दबाजी में बाइक अनियंत्रित होकर फिसल कर गिर गई। पुलिस को पीछा करते देख बदमाश ने सिपाही पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया। पुलिस ने गोली चलाई तो बदमाश के पैर में गोली लग गई। गोली लगने से बदमाश घायल होकर गिर गया, घायल ने अपना नाम सागर उर्फ शाका पुत्र सोमबीर निवासी घोड़ी बछेड़ा थाना दादरी जिला गौतमबुद्धनगर बताया। बरामद बाइक करीब डेढ़ माह पहले थाना टीलामोड़ में लोनी रोड स्थित डिमार्ट से चोरी की थी।

वैधानिक सूचना: पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जाँच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा अथवा लेख की गुणवत्ता या विज्ञापन दाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गये दावे या उल्लेख की पुश्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के प्रति समाचार पत्र/प्रकाशक/संपादक उत्तरदायी नहीं होगा। समाचार पत्र में लेख लेखक के अपने विचार है।स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक शमिमुद्दीन (9871530609), द्वारा ज्योति प्रिन्टर्स, ई–94, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर से छपवाकर, 83–सी, छोटी बजरिया, रेलवे रोड, गाजियाबाद से प्रकाशित किया सम्पादक– नसीरूद्दीन मो– 9899438447